ॐ नमः शिवाय

स्व. श्रीमती वरदी बाई

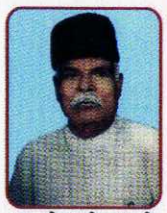

स्व. श्री चुन्नी लालजी

मानवता की सेवा ही ईश्वर की पूजा है क्योंकि घट–घट में उस निर्गुण बह्म परमात्मा का वास है। इसी भावना से SSPSS आपके समक्ष निम्नलिखित क्षेत्रों में आपकी सेवा करने को तत्पर व जिज्ञासु है।

SSPSS आप जैसे श्रद्धालु, दयालु, दानी व्यक्तियों के समर्पित प्रेम व भक्ति का ही प्रतीक है। प्रत्येक व्यक्ति परमात्मा स्वरूप है, इसीलिए हर वो आत्मा जो उस परमात्मा की शरण में जा अपने आत्मस्वरूप को अनुभव करना चाहता है हम उनसे अनुरोध करते है व आमंत्रित करते हैं।

आत्म कल्याण ही हमें जनकल्याण की और अग्रसर करता है तथा आत्मकल्याण से ही जनकल्याण संभव है। जो जीव मानव की सेवा करने को तत्पर है वे ही परोपकारी "सद्गति" प्राप्त करते है ऐसे ज्ञानीजन हमेशा "कामये दुःखतप्तानाम् प्राणिनामार्तनाशनम्" का ही सोचते है। ऐसे ही उद्देश्य से प्रेरित होकर उदयपुर में SSPSS की स्थापना की गयी है।

संस्थान द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में व्यापक उद्देश्यों को लिया गया है जिसमें चिकित्सा सेवा, शिक्षा, अनाथालय, प्राकृतिक त्रासदी में सहायता, छात्रवृति, पर्यावरण, वृद्धाश्रम व सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध अभियान आदि से मानव मात्र की सेवा करने का संकल्प लिया गया है, जो बिना किसी वर्ग, जाति, सम्प्रदाय व राष्ट्रीयता को देखकर किया जाता है। **संस्थान द्वारा अपने सीमित संसाधनों से अब तक की गयी सेवा का विवरण निम्नानुसार है –**

1. सन् 1999 से अब तक गरीब विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए प्रोत्साहन व आर्थिक सहयोग दिया गया।

2. जनवरी 2001 में गुजरात भूकम्प पीड़ितों को 90,000/– रुपयों की राहत सामग्री तथा सान्त्वना दी गयी।

3. सन् 2000 से कम्प्यूटर व I.T. क्षेत्र में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृति बतौर ब्याज रहित ऋण उपलब्ध कराने हेतु योजना प्रारम्भ की गयी।

4. सन् 1999 से अब तक गरीब विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध करायी जा रही है।

5. सन् 2004 नवम्बर से रोग पीड़ित मानवों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराना तथा समाज के पिछड़े वर्ग के सदस्यों को उनके स्वास्थ्य लाभ हेतु मुफ्त औषधियां उपलब्ध कराना। इस शुभ कार्य का शुभारम्भ माननीय श्री सुन्दर सिंह जी भण्डारी, भूतपूर्व राज्यपाल के कर–कमलों द्वारा 22 नवम्बर 2004 को SSPSS द्वारा संचालित वरदी बाई चुन्नीलालजी मेमोरियल क्लिनिक के तत्वावधान में हुआ। 31 दिसम्बर 2005 तक कुल 3653 रोग ग्रस्त पीड़ित अनुभवी चिकित्सक से परामर्श कर मुफ्त औषधियां प्राप्त कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं। 20 लाख रुपये की लागत से बनी क्लिनिक सालाना 2 लाख के खर्च से चल रही है व चार सेवाभावी सज्जन उपरोक्त सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

6. डाइग्नोस्टिक लेबोरेटरी : इसमें ब्लड टेस्ट, "मल–मूत्र" की जांच, थूक की जांच, HIV/AID तथा अन्य जांचे 15–11–05 से शुरू की हैं। इसके लिए अनुमानित प्रारम्भिक एक लाख रुपया तथा डेढ़ लाख रुपया प्रतिवर्ष के अनुदान से 300 मरीजों की सेवा प्रतिमास की जा सकती है।

7. SSPSS ने समाज के वयस्क व वृद्ध सदस्यों की सेवा के लिए एक "अपना वाचनालय एवं पुस्तकालय" दिनांक 15–11–05 से शुरू किया है। इस सेवा के लिए मात्र पचास हजार रुपयों की प्रारम्भिक लागत से तथा दस हजार रुपये प्रतिवर्ष खर्च से वाचनालय सेवा प्रदान की जाती है। समाचार पत्रों के साथ ही उपयोगी पत्रिकाओं को उपलब्ध कराया जाता है।

8. काउन्सलिंग सेन्टर : SSPSS समाज की माताओं, बहनों तथा पुत्रियों व बच्चों को, जो समाज की कुरीतियों तथा पुरुष वर्ग व सामाजिक अत्याचारों का शिकार हो, सान्त्वना, सलाह तथा मदद देकर उनको उनके अधिकार, हक हकुक से वाकिब कराना, सरकारी मदद या अन्य मानसिक व मनोवैज्ञानिक सहायता दिनांक 15–11–05 से की जाती है इस कार्य के लिए अनुमानित